Greenlawns School, Worli

प्रथम सत्रीय पुनरावलोकन (२०२५-२६)

हिंदी

कक्षा :- आठवीं पूर्णांक:- ८०

दिनांक - ११.०९.२५ समय:- २ १/२घंटे

सूचना :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित हैं।

विभाग - अ (अंक - ४०)

भाषा - विभाग

प्र.१) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए। (१५)

१. ज्ञान प्राप्त करने के बहुत से साधन है। यात्रा पर जाना भी किसी पाठशाला में जाकर शिक्षा प्राप्त करने से काम नहीं है ऐसी किसी यात्रा का वर्णन कीजिए, साथ ही उस यात्रा से आपने क्या-क्या सीखा? यह भी बताइए।

२. 'माता केवल जननी नहीं बल्कि जीवन का आधार है।' इस कथन को स्पष्ट करते हुए बच्चे के जीवन में माता के महत्व को दर्शाते हुए अपने विचार लिखिए।

३. यदि आप एक पुलिस अधिकारी बन जाते हैं / बन जाती हैं तो आप सम में बढ़ते भ्रष्टाचार एवं अपराधों को रोकने के लिए क्या-क्या प्रयास करेंगे / करेंगी।

४. 'न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी' इस लोकोक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए।

५. नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और उसके आधार पर कोई घटना, कहानी या लेख लिखिए जिसका सीधा संबंध चित्र से होना चाहिए:-

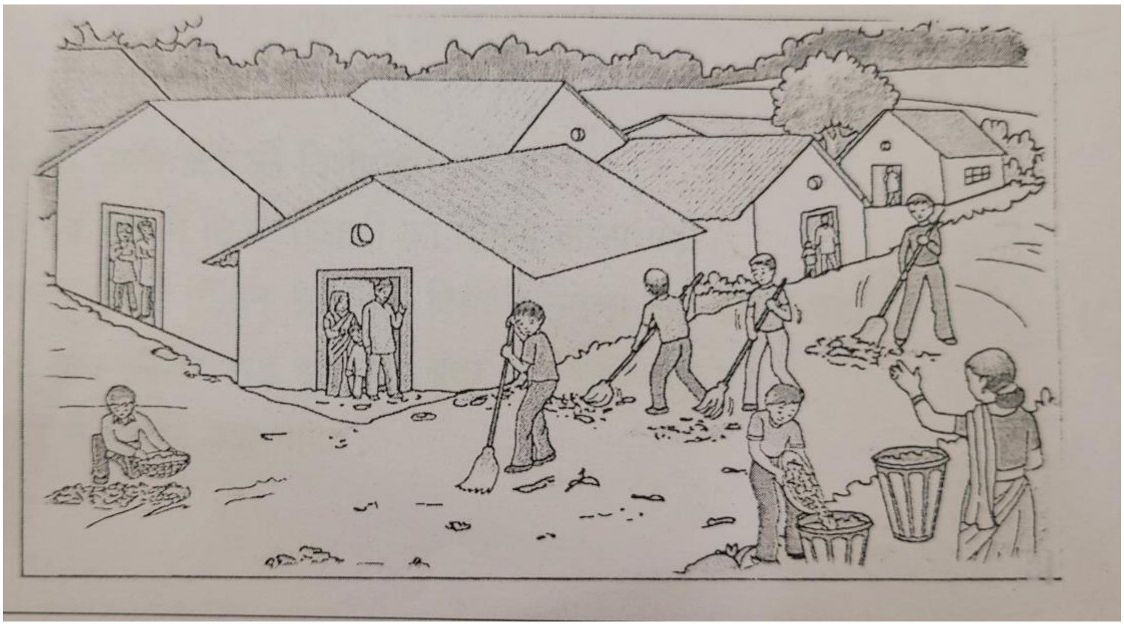

प्र. २)निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए:- (लिफाफा आवश्यक) (७)

अपने पैर में चोट लगने की वजह से विद्यालय के जूते नहीं पहन सकते ।अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर विशेष जूते पहनने की आज्ञा लें।

अथवा

आपका मित्र दुर्भाग्यवश परीक्षा में असफल हो गया है,तब से वह दुखी और परेशान रहता है ।उसे सफलता के लिए आवश्यक बातें और जीवन के हर क्षेत्र में आत्मविश्वास का महत्त्व बताकर उसका हौसला बढ़ाते हुए एक पत्र लिखिए।

प्र.३) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

स्वामी विवेकानद पुण्यक्षेत्र काशी में भ्रमण कर रहे थे। उन्हें एक ऐसी राह में जाना पड़ा, जहाँ एक ओर सरोवर था और दूसरी ओर दीवार। काशी में बन्दरों की भरमार है और वहाँ के बन्दर हैं भी बहुत शैतान । स्वामीजी के पास एक पोटली थी। उसी के कारण बंदर उनका पीछा करने लगे। वे बार-बार उनकी पीठ पर लटकी पोटली को छीनने का प्रयास करते थे। स्वामीजी पहले तो उन्हें हाथ के संकेत में हटाते रहे परतु वे कहाँ मानने वाले थे। वे पुनः पोटली की ओर झपटने लगे। बदरों की घुड़की तो प्रसिद्ध है। उन्हें लगा कि ये बंदर अभी उनके मुँह पर झपट पड़ेंगे। अतः वे तेज भागने लगे। अब तो बंदर उन्हें और भी सताने-डराने लगे। कुछ लोगों ने दूर से देखकर कहा, "स्वामीजी, तेज दौड़ो।"

वे और तेज भागने लगे परंतु उन बदरों ने उनका पीछा न छोड़ा और खो-खों करते हुए लपटने-झपटने लगे। इतने में किसी अनुभवी व्यक्ति ने दूर से देखकर कहा, "स्वामीजी, भागिए नहीं। इन बंदर का सामना कीजिए ।"

यह सुझाव कान में पड़ते ही स्वामीजी ने दौड़ना बंद कर दिया और तनकर खड़े हो गए। बंदर भी जहाँ के तहाँ रूक गए। फिर तो स्वामीजी स्वयं बंदरों की ओर लपके और उन्हें भगाने लगे। बंदरों ने स्वामीजी का भयानक रूप देखा, तो भाग खड़े हुए। इतने में सुझाव देनेवाले सज्जन भी वहाँ पहुँचे। सज्जन ने स्वामीजी से कहा,"आपने उन्हें भगाया क्यों नहीं?" स्वामी जी ने कहा-" मैं कैसे भगाता ? मैं तो खाली हाथ था।"

"अब कैसे भगा दिया? अब भी तो आप खाली हाथ ही थे। "उस सज्जन ने सरल भाव से प्रश्न किया ।अब तो स्वामी विवेकानंदजी को अपनी भूल का अनुभव हुआ और वे बुरी तरह झेंप गए। तब उस सज्जन ने सीख देते हुए स्वामीजी से कहा, "हाथ खाली हो या हाथ में हथियार हो, इससे कुछ नहीं होता। मन में

शक्ति होनी चाहिए। मन में सब कुछ होता है। मन के हारे हार है, मन के जीते जीत। "

प्रश्न:

i) स्वामीजी के भ्रमण क्षेत्र की विशेषताएँ लिखिए। (२)

ii) स्वामीजी को मार्ग में किस परेशानी का सामना करना पड़ा? (२)

iii) उन्हें किसने और क्या सुझाव दिया व उसका क्या प्रभाव पड़ा? (२)

iv) स्वामीजी कब तनकर खड़े हुए और बंदर क्यों भाग खड़े हुए ? (२)

v) इस गद्यांश से आपने क्या सीखा? (२)

प्र.४) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए: - (८)

१. 'आलोक' का उचित पर्यायवाची शब्द बताइए:

a) सूर्य - भास्कर

b) ज्योति - उजाला

c) अन्न - धान्य

d) ज्योती - ज्योत्सना

२. 'अवनति' का विलोम बताइए:

a) उननीति

b) उन्नत

c) उन्नति

d) उननीती

३. 'कुमार' की भाववाचक संज्ञा बताइए:

a) कौमार्य

b) कुमारी

c) कौमर्य

d) कुंवारा

४. 'जो विकारों से रहित हो' इस वाक्यांश के लिए एक शब्द बताइए:

a) साकार

b) निरंकार

c) निर्विकार

d) सुविचार

५. 'ईद का चाँद होना' मुहावरे का अर्थ बताइए:

a) चंद्रमा के दर्शन होना

b) ईद मनाना

c) रात में ही दिखाई देना

d) बहुत दिनों के बाद दिखाई देना

६. 'शुशोभित' शब्द का शुद्ध रूप बताइए :

a) शुशोभीत

b) सुशोभीत

c) सुशोभित

d) सुशोभती

७. निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए:

'पेड़ में पत्ते गिर रहे हैं।' इस वाक्य का शुद्ध रूप बताइए:

a) पेड़ पर पत्ते गिरा रहे हैं।

b) पेड़ से पत्ते गिर रहे हैं।

c) पेड़ से पत्ते घिर रहे हैं।

d) पेड़ की पत्ते गिर रहे हैं।

८. निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए:

‘छत पर बिल्ली लड़ रही है।’ इस वाक्य का वचन परिवर्तन कीजिए।

a) छत पर बिल्ला लड़ रहा है।

b) छत पर बिल्लीया लड़ रही है।

c) छत पर बिल्लियों लड़ रही है।

d) छत पर बिल्लियाँ लड़ रही हैं।

विभाग ब (अंक - ४०)

साहित्य - विभाग

प्र.५ निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

कानपुर के नाना की मुँहबोली बहन ‘छबीली’ थी,
लक्ष्मीबाई नाम, पिता की वह संतान अकेली थी।
नाना के संग पढ़ती थी वह, नाना के संग खेली थी,
बरछी, ढाल, कृपाण, कटारी, उसकी यही सहेली थी।
वीर शिवाजी की गाथाएँ, उसको याद जुबानी थीं।
बुंदेले हरबोलों के मुँह, हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो, झाँसीवाली रानी थी।

प्रश्न:

१. प्रस्तुत पंक्तियों का संदर्भ लिखिए। (२)

२. शब्दार्थ लिखिए :- मर्दानी, छबीली , जुबानी , संग (२)

३. प्रस्तुत पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। (३)

४. रानी लक्ष्मीबाई को मर्दानी क्यों कहा गया ?आपने इस कविता से क्या सीखा ? (३)

प्र.६ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखकर प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

भारतीय परमाणु कार्यक्रम के जनक के रूप में चर्चित डॉ. होमी जहाँगीर भाभा की दूरदर्शिता के कारण यह संभव हो सका।

प्रश्न:

१. शब्दार्थ लिखिए :- जनक, अग्रणी ,अन्वेषक ,अनुसंधान (२)

२. डॉ. होमी जहाँगीर भाभा के पिताजी क्या चाहते थे ? (२)

३. डॉ. होमी जहाँगीर भाभा को प्राप्त सम्मानों का विवरण कीजिए। (३)

४. डॉ. होमी जहाँगीर भाभा की प्रारंभिक शिक्षा कहाँ हुई थी? इसके बाद की शिक्षा व कार्यों की जानकारी दीजिए। (३)

प्र.७ निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

योग भारत की प्राचीन का एक अमूल्य उपहार है ।

प्रश्न:

१. शब्दार्थ लिखिए :- व्याधि, उपहार, समूचा,त्वचा (२)

२. योग की लोकप्रिय विधाओं के नाम लिखिए। (२)

३. योग के प्रणेता किसे माना जात है ? योग के विषय में वैज्ञानिक अध्ययनों से क्या स्पष्ट हो रहा है ? ।(३)

४. योग करने के क्या - क्या लाभ हैं? संक्षेप में लिखिए। (३)

प्र.८निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

“खर्च को देखते वक्त पहले बहू के पाप को तो देख लो ! यह तो प्रायश्चित है, कोई हँसी - खेल थोड़े ही है और जैसी जिसकी मर्यादा! प्रायश्चित में उसे वैसा खर्च करना पड़ता है।”

प्रश्न :

१.शब्दार्थ लिखिए :- देहरी , पंसेरी , फ़ासले, विविध (२)

२. प्रस्तुत वाक्य किसने , किससे और कब कहा है ? (२)

३. बहू का परिचय दीजिए। बहू ने कौन - सा पाप किया और क्यों ? स्पष्ट कीजिए। (३)

४. बहू के पाप का प्रायश्चित हो पाया या नहीं ? यदि नहीं तो क्यों ? यह बताते हुए पाठ का उद्‌देश्य स्पष्ट कीजिए। (३)

---------- समाप्त----------